भूस्थिर कक्षा

भूस्थिर कक्षा अथवा **भूमध्य रेखीय भूस्थिर कक्षा** पृथ्वी से 35786 किमी ऊँचाई पर स्थित उस कक्षा को कहा जाता है जहाँ पर यदि कोई उपग्रह है तो वह पृथ्वी से हमेशा एक ही स्थान पर दिखाई देगा। यह कक्षा भूमध्य रेखा पर स्थित होगी एवं उपग्रह के घुर्णन की दिशा पृथ्वी के घूर्णन के समान होगी।[1][2]

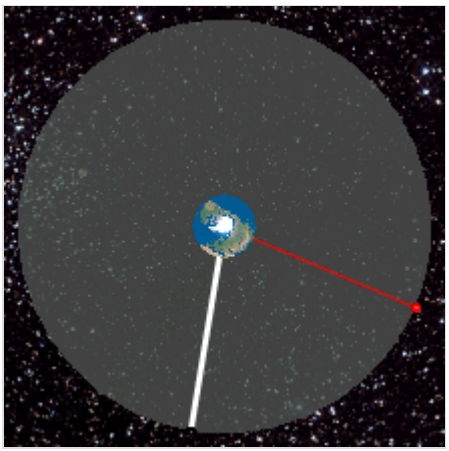

भूस्थिर कक्षा (उपर दे देखने पर)। एक प्रेक्षक को जो घूर्णन कर रही पृथ्वी पर स्थित है को उपग्रह किसी बिन्दु के साथ स्थिर दिखाई देगा।

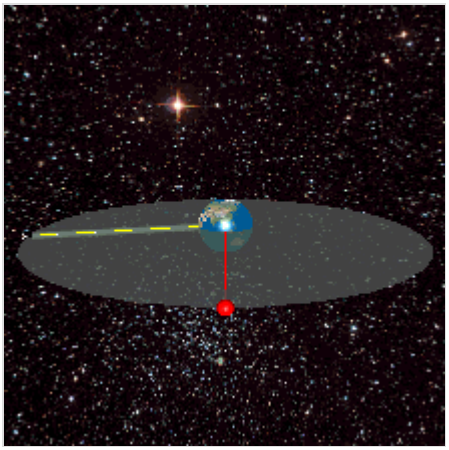

भूस्थिर कक्षा का एक दिशा से देखने पर।

सन्दर्भ

1. "Ariane 5 User's Manual Issue 5 Revision 1" (https://web.archive.org/web/20131004215844/http://www.arianespace.com/launch-services-ariane5/Ariane5_users_manual_Issue5_July2011.pdf) (PDF). *arianespace*. जुलाई 2011. मूल से (http://www.arianespace.com/launch-services-ariane5/Ariane5_users_manual_Issue5_July2011.pdf) (PDF) से 4 अक्तूबर 2013 को पुरालेखित।. अभिगमन तिथि: 28 जुलाई 2013.
2. A geostationary Earth orbit satellite model using Easy Java Simulation Loo Kang Wee and Giam Hwee Goh 2013 Phys. Educ. 48 72 (http://arxiv.org/ftp/arxiv/papers/1212/1212.3863.pdf)

"https://hi.wikipedia.org/w/index.php?title=भूस्थिर_कक्षा&oldid=6266040" से प्राप्त